हरियाणा विद्यालय षिक्षा बोर्ड

हिन्दी (आधार) सीनियर सैकेण्डरी

निर्धारित समय : 3:00 घण्टे। पूर्णांक : 80

कुल मुद्रित पृष्ठ : 8

मूल्यांकन निर्देष एवं आदर्ष उत्तर

सामान्य निर्देष :

परीक्षार्थी के सही एवं उचित आंकलन के लिए उसकी उत्तर –पुस्तिका का मूल्यांकन एक महत्तपूर्ण कार्य है। इस कार्य में छोटी सी भी भूल/ असावधानी गंभीर समस्या पैदा कर सकती है, जो परीक्षार्थी के भावी जीवन, षिक्षा प्रणाली एवं अध्ययन अध्यापन की व्यवस्था को कुप्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए आवष्यक है कि किसी परीक्षार्थी की उत्तर–पुस्तिका का मूल्यांकन करने से पहले मूल्यांकन निर्देषों का भली–भांति अध्ययन कर लिया जाए। उप–परीक्षक मूल्यांकन निर्देषों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रष्न पूर्ण व सही हल किया है तो ऐसी स्थिति में पूर्णांक देने में संकोच न करें।

मूल्यांकन कार्य करने के लिए महत्त्वपूर्ण निर्देष :

1 उत्तर–पुस्तिका का मूल्यांकन अंक–योजना में दिए गए निर्देषानुसार किया जाना है।

2 अंक–योजना का उद्देष्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।

3 अंक–योजना में दिए गए उत्तर– बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एंव सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उचित अंक दिए जाएँ।

4 निबंधात्मक प्रष्नों के उत्तर के संदर्भ में परीक्षार्थी के उत्तर का जितना भाग सही हो , उसके अनुसार उचित अंक अवष्य प्रदान करें।

5 प्रश्न के उपभागों के उत्तर के अंक दाएं ओर दिए जाएँ और बाद में इन अंकों का योग बाईं ओर के हाषिए में अंकित किए जाएँ।

6 परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।

7 वर्तनीगत अषुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।

8 परीक्षार्थी के किसी प्रश्न के उत्तर में 10 प्रतिषत तक षब्द सीमा कम या अधिक होने पर उसे नजर अंदाज करें। परंतु अंतर 10 प्रतिषत से अधिक होने पर परीक्षार्थी को 1 अंक काट कर दंडित किया जा सकता है।

9 षुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिया जाए।

10 शषा–क्षमता एवं अभिव्यक्ति–कौषल पर ध्यान दिया जाए।

11 मुख्य–परीक्षकों/उप–परीक्षकों को उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देष में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देष में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य–परीक्षक से विचार–विमर्ष करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेकानुसार करें।

खण्ड अ

बहुविकल्पीय

प्रश्न न• 1 अपठित गद्यांष पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) अहं में 1

(ख) जब व्यक्ति अपने अह को त्याग कर देश के विकास के लिए कार्य करता है। 1

(ग) उपर्युक्त सभी विकल्प सही हैं। 1

(घ) केवल 1 , 2 व 4 सही है। 1

(ङ) केवल राष्ट्र के लिए जीना और काम करना। 1

प्रश्न न• 2 अपठित पद्यांष पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) दो भाइयों का बँटवारा 1

(ख) परस्पर संबंधों में इतनी घृणा हो गई कि भाईचारा कहाँ रह गया। 1

(ग) परस्पर **ईर्ष्याभाव** को 1

(घ) अपनों से मिलने से रोकती हैं। 1

(ङ) आँसुओं में मलिनता धुल जाएगी और उजाला होगा। 1

प्रष्न न॰ 3 **'आरोह भाग–2'** पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्य खण्ड के बहुविकल्पीय प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) कथन 1 , 3 व 4 1

(ख) कोमलता का 1

(ग) कथन (अ) सही है और कारण (ब) उसकी सही व्याख्या करता है। 1

(घ) हनुमान 1

(ङ) हलकी–हलकी 1

प्रष्न न॰ 4 **'आरोह भाग–2'** पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्य खण्ड के बहुविकल्पीय प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) धूप में 1

(ख) कपट 1

(ग) षिरीष की डाल मजबूत होती है। 1

(घ) 1 –(ii) , 2–(iii) , 3– (i) 1

(ङ) तीन 1

प्रष्न न॰ 5 **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** नामक पुस्तक पर आधारित बहुविकल्पीय प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) निरक्षरों के लिए उपयोगी। 1

(ख) 250 से 2000 षब्दों के 1

(ग) 70 हजार 1

(घ) स्थायी अध्ययन केन्द्र 1

(ङ) 1– (ii) , 2–(iv) , 3– (i) , 4– (iii) 1

प्रष्न न॰ 6 **'व्याकरण'** पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रष्नों के उत्तर

अपेक्षित हैं। 5

(क) गुण संधि 1

(ख) 1– (iii) , 2–(iv) , 3 –(i) , 4– (ii) 1

(ग) राजमाता , सेनापति , कन्यादान 1

(घ) मुहावरे संबंधी 1

(ङ) लुटेरों का समूह भाग गया। 1

खण्ड– ब

वर्णनात्मक प्रष्न

प्रष्न न• 7 **'आरोह भाग–2'** नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्यांष की व्याख्या अपेक्षित है। 5

प्रसंग – पाठ्य पुस्तक – आरोह भाग–2 , कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' , कविता– बादल राग

कवि ने अमीर लोगों के जीवन पर क्रांति के पड़ने वाले प्रभाव व गरीब वर्ग पर क्रांति के प्रभाव का वर्णन किया है। 1½

व्याख्या– कवि ने बादल रूपी क्रांति के माध्यम से बताया कि अमीर लोगों का साधन सम्पंन होने के बाद भी आतंकित रहना। गरीब व षोषित वर्ग पर बादल रूपी क्रांति का पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव का वर्णन किया है। 2

काव्य–सौन्दर्य –

- कवि की समाज के षोषकों के प्रति घृणा व षोषित वर्ग के प्रति सहानुभूति प्रकट हुई है।
- प्रतीात्मक षैली का सुंदर प्रयोग।
- ओज गुण का समावेष।
- अनुप्रास ,स्वर मैत्री आदि अलंकारों का प्रयोग ।
- मुक्तक छंद का प्रयोग। 1½

?

अथवा

'आरोह भाग–2' नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्यांष के प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(i) कवि – तुलसीदास , कविता – कवितावली ½ + ½ = 1

(ii) मजदूर , किसान , व्यापारी , भिखारी, भाट , नौकर, चपल नट, चोर , दूत व षिकारी आदि। 1

(iii) बाजीगर 1

(iv) अपना तथा अपने परिवार का पेट भरने के लिए। 1

(v) श्रीराम रूपी घनष्याम (मेघ) 1

प्रष्न न• 8 **'आरोह भाग–2'** के काव्य खंड पर आधारित दर्षाए गए अंकों के अनुसार प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3+2 =(5)

(क) प्रकृति के दैनिक परिवर्तनषीलता के संदर्भ में प्राणि–वर्ग के धड़कते हृदय को सुनने व उस पर पड़ने वाले प्रभाव की काव्यात्मक विवेचन व प्रेम के महत्त्व पर प्रकाष डाला है। 3

(ख) दूरदर्षन के अहंकारी और संवेदनहीन कर्मचारियों की क्रूर मानसिकता को उजागर करना। मानवीय भावनाओं, जीवन मूल्यों व अपंग व्यक्ति के प्रति दया भाव का त्याग आदि। 2

प्रष्न न• 9 **'आरोह भाग–2'** नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्यांष की व्याख्या अपेक्षित है। 5

प्रसंग– पाठ्य पुस्तक– आरोह भाग–2

पाठ – श्रम विभाजन और जाति–प्रथा

लेखक– बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर

लेखक ने आदर्ष समाज की कल्पना के लिए प्रयास किया है। 1½

व्याख्या – लेखक ने स्पष्ट किया है कि मानव जब किसी कार्य को विवषतापूर्वक करता है तो स्वाभाविक तौर पर उस कार्य के प्रति दुर्भावनाग्रस्त हो जाता है। जाति प्रथा में निर्धारित कार्य बंधंन के कारण कार्य में रुचि न होने के कारण

कार्य मे कुषलता प्राप्त नहीं की जा सकती। 2

भाषा वैषिष्ट्य– अभिधा षब्दषक्ति की प्रधानता, वर्णनात्मक षैली, तत्सम व तद्भव षब्दावली। 1½

अथवा

'आरोह भाग–2' नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्यांष के प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(i) **लेखक – जैनेन्द्र कुमार** ½

पाठ – बाज़ार दर्षन ½

(ii) लू के लूपन (प्रभाव) से बचने के लिए। 1

(iii) बाज़ार से केवल आवष्यक वस्तुएँ खरीदकर। 1

(iv) बाजार जाएँ तो मन खाली न हो बल्कि मन आवष्यक वस्तुओं की खरीद से भरा हो। 1

(v) ग्राहक की आवष्यक वस्तुओं की उपलब्धता व भरे मन से बाज़ार जाने मे है। 1

प्रष्न न• 10 **'आरोह भाग–2'** के गद्य खंड पर आधारित दर्षाए गए अंकों के अनुसार प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

(क) लोकास्था और विज्ञान के द्वंद्व चित्रण, पाखंड व अंधविष्वास का विरोद्धात्मक व्यंग्य, जल के महत्त्व पर प्रकाष डाला गया है। 3

(ख) परिश्रमी ,सेविका ,पारिवारिक उपेक्षा की षिकार ,संस्कारवान , सच्ची अभिभाविका आदि। 2

प्रष्न न• 11 **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** पर आधारित किसी एक प्रष्न का उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

- प्रारंभ 1
- विषय वस्तु 3
- भाषा 1

अथवा

1 कथोपकथन 2 पात्र 3 संवाद–योजना 4 भाषा –षैली 5 उद्देष्य 6 देषकाल एवं वातावरण

प्रष्न न• 12 **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** पर आधारित दर्षाए गए अंकानुसार प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3+2 = 5

(क) कहानी एक्षन प्रधान न हो , पात्रों की संख्या 5 से 6 हो , अवधि 15 से 20 मिनट , संवाद छोटे हों , ध्वनि का समय व स्थानानुसार प्रयोग। 3

(ख) जब कोई पत्रकार, पेषेवर व्यक्ति , विषय–विषेषज्ञ जो किसी विषेष क्षेत्र खेल, षिक्षा, रक्षा आर्थिक जगत आदि का ज्ञाता हो। साथ ही अपने विषय का बारीकी से विष्लेषण करते हुए पाठकों के सामने सुझाव समाचार पत्र या पत्रिका के माध्यम से प्रस्तुत करे। 2

प्रष्न न• 13 **'वितान भाग–2'** पर आधारित दर्षाए गए अंकों के अनुसार प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3 + 2 + 2 = 7

(क) पढ़ाई के बिना जीवन निरर्थक समझना व पढ़ाई को ही जीवन के विकास का मूलमंत्र मानना। 3

(ख) राजतंत्र न होकर ,समाजतंत्र का होना। सभ्यता में सत्ता का कोई केन्द्र न होना, सभ्यता का स्वतः अनुषासित होना व लोगों का ताकत से नहीं बल्कि अपने विवके से अनुषासित होना आदि। 2

(ग) यषोधर बाबू के सहज ,सरल जीवन का पक्षधर होना, परिवार के अन्य आधुनिकतावादी सदस्यों के मन में यषोधर परंपरावादी सोच होने के कारण भिन्न विचारधारा होना। 2

14 **'व्याकरण'** पर आधारित दर्षाए गए अंकों के अनुसार प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

(क) (i) **अनुप्रास अंलकार–** काव्य में जहाँ किसी एक वर्ण की बार–बार आवृत्ति हो

, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है। **जैसे** – तात तासु तुम्ह प्रान अधारा। 2

(ii) रूपक अलंकार। 1

(ख) दीर्घ **स्वर संधि** – 2

अवर्ण (अ, आ) , इवर्ण (इ ,ई) , उवर्ण (उ,ऊ) और ऋ के बाद समान जाति का स्वर आने पर जब उसी जाति का दीर्घ स्वर बन जाए तो उसे **दीर्घ स्वर संधि** कहते हैं। **जैसे** – विद्यालय – विद्या + आलय

15 **'आदर्ष जीवन मूल्य'** पर आधारित दर्षाए गए अंकों के अनुसार प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 2 X 4 = 8

(क) मन को षांत रखकर , एकाग्रता , उत्साह बनाए रखकर , धैर्य , विष्वास से भरपूर व मजबूत मनोबल आदि गुणों के सहारे। 2

(ख) मन में कठोरता ,कटुता , क्रोध , आवेष ,तनाव, दबाव आदि नहीं रखना चाहिए क्योंकि इन अवगुणों के आधार पर कर्तव्य पथ पर बढ़ना आसान नहीं होगा। 2

(ग) प्रातःकाल कुछ क्षंण ध्यान लगाकर , योग करके व अपने प्रिय प्रभु स्वरूप का नित्यप्रति ध्यान करना। जिससे स्वयं ऊर्जा ,बल , स्थिरताव व मजबूती एवं षान्ति का अनंभव होगा। 2

(घ) दुर्गा देवी के लाहौर व इलाहाबाद के आवासों को जब्त करने , भगत सिंह , राजगुरू और सुखदेव को फाँसी देने आदि की घटनाओं से आघात 2